लाड़ली बहनों पर हो रहा अत्याचार, दर्शक बने जवाबदार

पीड़ित महिला को नहीं मिल रहा न्याय

मंडला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में लाडली बहन सुरक्षित नहीं है लाडली बहनों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और सभी जवाबदार हाथ पर हाथ रख कर बैठे हुए हैं लाडली बहनों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है इसी वजह से लाडली बहन अत्याचार का शिकार हो रही है सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई तरह के दावे कर रही है लेकिन देखा यह जा रहा है कि मध्य प्रदेश के मंडला जिले में महिलाएं सुरक्षित नहीं है इन पर लगातार अत्याचार हो रहा है और जनप्रतिनिधि व शासन प्रशासन के आला अधिकारी मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं मध्य प्रदेश के मंडला जिले की तहसील नैनपुर के ग्राम पाठ।

सिहोरा में अनीता यादव को लगभग 1 वर्ष से परेशान किया जा रहा है ग्राम परसवाड़ा निवासी अनीता यादव के द्वारा अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए शासकीय भूमि में एक छोटे से ठेले में जनरल सामग्री का विक्रय कर गुजारा कर रही है यहीं पर ग्राम वासियों की सहमति से पक्का मकान बना रही थी लेकिन मंडला के कपिल कछवाहा और उनके साथ आए गुंडो ने विगत 1 वर्ष पूर्व मकान को तोड़ दिया और अपनी जमीन में निर्माण होना बताया जबकि शासकीय रिकॉर्ड में वह भूमि शासकीय ही है लेकिन शासन प्रशासन की लापरवाही की वजह से महिला को राजस्व कार्यालय नैनपुर में लगभग एक साल से परेशान किया जा रहा है एक माह में चार-चार बार पेशी कर महिला को पीड़ित किया जा रहा है अनीता यादव द्वारा पूरे घटनाक्रम की शिकायत पुलिस व प्रशासन को शिकायत की जा चुकी है जिला मुख्यालय मंडला में कलेक्टर को जनसुनवाई में भी कई बार आवेदन पत्र दिए गए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई इसी वजह से महिला परेशान है और लगातार शासन प्रशासन द्वारा परेशान किया जा रहा है इस आशय की खबर लगातार प्रकाशित की जा रही है लेकिन किसी के कानों में जू तक नहीं चल रही है इसी वजह से ग्राम के नागरिकों में भी आक्रोश पनप रहा है।

ग्राम के नागरिकों का कहना है कि महिला के साथ गलत किया जा रहा है ग्राम वासियों के अनुसार वह शासकीय भूमि ही है जिसे राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक और पटवारी कपिल की भूमि बता रहे हैं महिला का आरोप है कि पैसों का लेनदेन कर लिया गया है इसलिए पटवारी और राजस्व निरीक्षक शासकीय भूमि नहीं मान रहे हैं बल्कि कपिल की भूमि मानकर गलत जांच पड़ताल करके गलत रिपोर्ट राजस्व कार्यालय में प्रस्तुत कर रहे हैं इन दोनों को निलंबित करने की मांग की जा रही है यह दोनों मुख्यालय में नहीं रह रहे हैं और लगातार मनमानी लापरवाही कर रहे हैं अनीता यादव प्रकरण की सही जांच नहीं कर रहे हैं इसके अलावा राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण में भी इनके द्वारा घोर लापरवाही की जा रही है इन दोनों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही होना अत्यंत जरूरी हो गया है लेकिन शासन प्रशासन द्वारा इन्हें संरक्षण प्रदान किया जा रहा है इसलिए यह मनमानी पर उतारू हो गए हैं।

नागरिकों के अनुसार महिला के साथ न्याय किया जाना चाहिए यदि सही में सरकार लाडली बहनों की हितैषी है तो तत्काल अनीता यादव के प्रकरण में संज्ञान लेना चाहिए और सभी दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए कि आखिरकार पुलिस ने सही कार्यवाही क्यों नहीं की राजस्व विभाग के अधिकारी समय पर सही कार्यवाही क्यों नहीं की अधिकारियों की उपस्थिति में जांच पड़ताल क्यों नहीं की जा रही है यह सारे सवाल हैं।यदि कपिल की भूमि में वह मकान बना रही थी या कब्जा की है तो शुरुआत से ही कपिल ने मना क्यों नहीं किया कपिल की के द्वारा अनीता यादव का निर्माण क्यों तोड़ा गया क्या शासन प्रशासन से अनुमति ली गई ऐसे अनेक सवाल हैं जिसका जवाब शासन प्रशासन द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

परसवाड़ा में जल जीवन मिशन में लापरवाही बरत रहे जिम्मेदार

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद भी नहीं जाग रहे अधिकारी

मंडला, देशबन्धु। सभी सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश के मंडला जिले में लापरवाही पूर्वक किया जा रहा है केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में मनमानी लापरवाही व भ्रष्टाचार किया जा रहा है संपूर्ण मंडला जिले में जल जीवन मिशन की दुर्गति करके रख दी गई है।

जहां-जहां काम कराए गए हैं वहां-वहां गड़बड़ी की जानकारी मिल रही है सही तरीके से कार्यों को पूरा नहीं कराया जा रहा है जैसे-तैसे जल जीवन मिशन का कार्य इस जिले में संचालित हो रहा है मंडला जिले से ही इस विभाग की मंत्री भी हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रही है इसी वजह से लगातार यहां पर मनमानी बढ़ती जा रही है मंडला जिले की तहसील नैनपुर के ग्राम परसवाड़ा में जल जीवन मिशन का सत्यानाश करके रख दिया गया है सही तरीके से पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है।

पानी की सप्लाई सभी जगह सही तरीके से नहीं हो रही है कहीं पानी आ रहा है तो कहीं पानी आ ही नहीं रहा है फिलहाल टेस्टिंग चल रही है बताया जा रहा है कि ले देकर हैंडोवर करने की प्रक्रिया भी चल रही है यहां पर ऐसे कई जरूरतमंद है जिन्हें निजी नल कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है कई घर छूट गए हैं जहां पर संबंधित ठेकेदार द्वारा नल कनेक्शन नहीं किया जा रहा है इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई है इसके बावजूद भी संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ठेकेदार को पूरा संरक्षण प्रदान किया जा रहा है जानकारी मिली है कि सरकारी रिकॉर्ड में सभी का नल कनेक्शन कर दिया गया है लेकिन हकीकत के धरातल में अभी भी कई घर बाकी है जहां पर नल कनेक्शन करना शेष रह गया है जन अपेक्षा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और यहां पर जल जीवन मिशन का सही क्रियान्वयन कराकर सभी घरों में नल कलेक्शन कराया जाए।

सार-समाचार

धांधलीबाजों ने फ्लॉप किया स्वच्छ भारत मिशन

मंडला, देशबन्धु। स्वच्छ भारत मिषन अंतर्गत मध्यप्रदेश के मंडला जिले में कई करोड़ों रूप्ये फूंक दिये गये इसके बाद भी यह जिला न तो गंदगी से मुक्त हो पाया और न ही खुले में शौच से मुक्त हो पाया। आज भी शत प्रतिशत परिवारों के लिए शौचालयों का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। घटिया स्तर के शौचालयों का निर्माण किया गया है जा अब जर्जर हो गये हैं। शौचालय बनाने के बाद पर्याप्त पानी का प्रबंध नहीं किया गया है। आज भी खुले आम शौच किया जा रहा है जिसे बंद करने के लिए परिणामकारी कार्यवाही न पहले की गई और नही अब की जा रही है। प्रशिक्षण व कार्यक्रमों के नाम पर खूब पैसा बहाया गया और भारी धांधली की गई। जिसकी भी कोई जांच पड़ताल नहीं की जा रही है। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि मध्यप्रदेश के मण्डला जिले में खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया गया है जबकि हकीकत सभी को पता है। इस तरह से फर्जी काम केन्द्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना जो प्रधानमंत्री की विशेष प्राथमिकता वाली योजना है जिसे शुरू करने में प्रधानमंत्री ने काफी दम खम दिखाया था लेकिन अब मामला अब ठण्डे बस्ते में दिखाई पड़ रहा है। इस योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दी गई है। जनापेक्षा है कि पुनर तेजी के साथ गंदगी और खुले में शौचमुक्ति को लेकर शासन प्रशासन परिणामकारी प्रयास करें।

ध्वस्त हो चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था आम नागरिक परेशान

मंडला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के आदिवासी मंडला जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहद बुरे हाल हो गए हैं सरकारी अस्पतालों व ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य केदो में लोगों का सही उपचार नहीं हो पा रहा है डॉक्टर व स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपचार की सिर्फ औपचारिकता पूरी कर रहे हैं इसी वजह से झोलाछाप डॉक्टर और प्राइवेट डॉक्टर से लोग उपचार कर रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्र से लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है एएनएम मुख्यालय में नहीं रह रही है और ना ही स्वास्थ्य केदो के माध्यम से लोगों को उपचार दिया जा रहा है आशा कार्यकर्ता भी मनमानी कर रही है आंगनबाड़ी केदो में संचालित आरोग्य केंद्र के माध्यम से दवाका वितरण नहीं हो रहा है आशा कार्यकर्ता के पास हमेशा दवा का टोटा बना रहता है इस तरह की जानकारी मंडला जिले की तहसील नैनपुर के ग्रामीण क्षेत्र की मिली है ऐसी स्थिति पूरे जिले की हो सकती है अत: आकस्मिक निरीक्षण करके जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था सही की जावे।

आखिर कब सक्रिय होंगे प्रभारी मंत्री

मंडला, देशबन्धु। प्रभारी मंत्री की निष्क्रियता की वजह से मध्यप्रदेष के मंडला जिले में विकास की गंगा नहीं बह पा रही है। नागरिकों के अनुसार प्रभारी मंत्री विकास कार्यों पर इस जिले में ज्यादा ध्यान नही दे रहे हैं। पूरे जिले का भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा भी इनके द्वारा नही लिया जा रहा है। मंडला जिले में शासन-प्रषासन के सभी विभागों को सक्रिय करने के लिए भी इनके द्वारा कोई परिणामकारी पहल नहीं किये जा रही है। जिले में इनकी उपस्थिति नाम मात्र की रहती है। लगातार नियमित रूप से ये इस जिले में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रहे हैं। लगातार विभागों की समीक्षा बैठक कर बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन भी इनके द्वारा नहीं किया जा रहा है। जनापेक्षा है मंडला जिले के प्रभारी मंत्री को मध्यप्रदेष की सरकार के द्वारा अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाने के लिए विषेष रूप से कहा जाए तो जनहित में अच्छा होगा।

जीजा ने की कुल्हाड़ी मारकर साले की हत्या

डिंडोरी, देशबन्धु। डिंडौरी में देर रात सिटी कोतवाली क्षेत्र के चटिया गांव में जीजा ने साले की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है। सिटी कोतवाली निरीक्षक गिरवर उईके ने बताया कि मृतक गोवर्धन और आरोपी नौवमिक यादव का घर अगल बगल में है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि लगभग एक साल पहले गोवर्धन का छोटा भाई आरोपी की बहू को लेकर कही चला गया है। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच रंजिश थी। आए दिन विवाद होता था।

देर रात दोनों के बीच इसी को लेकर कहा सुनी हुई और आरोपी ने गोवर्धन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घटना स्थल में ही गोवर्धन की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। आरोपी के शरीर पर चोट है, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लगभग रात करीब साढ़े 12 बजे दोनों के बीच विवाद हुआ था।

त्रिस्तरीय पंचायती राज की व्यवस्था ध्वस्त

मंडला, देशबन्धु। त्रिस्तरीय पंचायती राज की व्यवस्था मध्यप्रदेश के मण्डला जिले में ध्वस्त हो चुकी है। धांधलीबाजों का साम्राज्य स्थापित हो चुका है। फर्जी तरीके से कई काम हो रहे हैं। सरकारी योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंदों को नहीं मिल पा रहा है। खासकर ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिव व रोजगार सहायक लगातार मनमानी धांधली व लापरवाही कर रहे हैं। इसके बाद भी इन पर नकेल कसने के लिए कोई परिणामकारी कार्यवाही शासन प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही है। सरपंच सचिव रोजगार सहायक नियमित रूप से ग्राम पंचायत कार्यालय भवन में निर्धारित दिन व समयानुसार नियमित रूप से उपस्थित नही हो रहे हैं।

कभी कभार आकर कुछ समय तक उपस्थित होकर गायब हो रहे हैं। अधिकांश ग्राम पंचायतों में रोजगार सहायक सचिव का प्रभार संभाले हुए है। जिसकी वजह से भी कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पंचायत समन्वयकों को बदला नहीं जा रहा है। पंचायत इंस्पेक्टर प्रत्येक ग्राम पंचायत में जाकर नियमित रूप से जांच पड़ताल नहीं कर रहे हैं।

जनपद व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व शासन प्रशासन के लगभग सभी आला अधिकारी भी ग्राम पंचायतों में कराए गए व कराए जा रहे सभी विकास कार्यों का नियमित रूप से निरीक्षण नही कर रहे हैं। यही वजह है कि ग्राम पंचायतों में मनमानी चल रही है और धांधली चरम सीमा पर पहुंच गई है।

अधूरे कामों को पूरा नहीं कराया जा रहा है। ठेकेदार फर्जी तरीके से ग्राम पंचायतों के कार्य जनपद पंचायत जिला पंचायत व ग्राम के सरपंचसचिव व रोजगार सहायक की सांठगांठ से लगातार कर रहे हैं। जिन कामों को ग्राम पंचायतों के द्वारा किया जाना चाहिए उन्हें ठेकेदार करा रहे हैं। इन पर नकेल कसने की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। निर्माण कार्यों में इनके द्वारा गुणवत्ता को ताक में रखा जा रहा है।

पंचायत भवनों की हालत खस्ता है सभी योजनाओ के क्रियान्वयन में भारी लापरवाही ग्राम पंचायतों में बरती जा रही है और शासन प्रशासन द्वारा बिलकुल भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जनापेक्षा है ग्राम पंचायत कार्यालयों में सरपंच सचिव व रोजगार सहायक की उपस्थिति नियमित की जाए व इस संबंध में औचक निरीक्षण भी की जाए। सभी तरह की योजनाओं में चल रही लापरवाही को दूर करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन सही तरीके से किया जावे ऐसी जनापेक्षा है।

हवा में उड़ा रहे आदेश-निर्देश

मंडला, देशबन्धु। शासन प्रशासन द्वारा जो भी निर्देश जारी किये जा रहे हैं उसका कितना पालन मप्र के मण्डला जिले में किया जा रहा है। उसका फीडबैक लेना नागरिकों के अनुसार अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इसके अलावा समीक्षा बैठकों में या अन्य माध्यमों से शासकीय विभाग के अधिकारियों द्वारा जो भी जानकारी दी जा रही है उसका भी भौतिक सत्यापन करना जरूरी हो गया है।

नागरिकों का कहना है कि टीएल समय सीमा की बैठक सहित तमाम तरह की सरकारी बैठकों में शासन-प्रशाासन के आला अधिकारियों द्वारा जो भी निर्देश दिये जा रहे हैं उसका कितना पालन किया गया है फील्ड में जाकर निरीक्षण कर फीडबैक लिया जाये तो बेहतर होगा, जनापेक्षा है शासन-प्रशासन शीघ्र ध्यान देगा।

मंडला जिले में गंदगी का अंबार, स्वच्छता मिशन बेटपरी

मंडला, देशबन्धु। गंदगी भारत से दूर नहीं हो पा रही है कई तरह के प्रयास लगातार फ्लॉप होते जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन की हवा निकल गई है और गंदगी भारत को नहीं छोड़ रही है।

सिर्फ नारा दिया जा रहा है और अभियान चलाया जा रहा है। %गंदगी भारत छोड़ो% इसके बाद भी कुछ खास नहीं हो पा रहा है। मध्यप्रदेश के मण्डला जिले में गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो गया है। हर गांव हर गली हर शहर में सिर्फ गंदगी ही गंदगी दिखाई दे रही है। गंदगी बीमारी बढ़ा रही है। खुलेआम शौच किया जा रहा है जिसकी वजह से भी बीमारी बढ़ रही है।

शौचालय निर्माण में जबरदस्त धांधली की गई है। कुल मिलाकर सिर्फ आवंटित धन की बंदरबांट की गई है। फर्जी तरीके से गांव व शहरों को सरकारी दस्तावेजों में खुले में शौचमुक्त घोषित किया जा रहा है। जबकि हकीकत सबको पता है। गंदगी को दूर करने के लिए परिणामकारी प्रयास किये जाएं। हर गांव व शहरों में परिणामकारी साफ-सफाई की जावे ताकि गंदगी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। जनापेक्षा है कि गंदगी को दूर करने के लिए तमाम तरह के कार्यक्रम व अभियान चलाए जाएं लेकिन गंदगी को जड़मूल से समाप्त करने के लिए समाज और सरकार दोनों के द्वारा हकीकत के धरातल में परिणामकारी प्रयास किये जाएं।

नोहटा बीट के जंगल का मामला, जांच में जुटी पुलिस

43 बैलों के शव मिलने से सनसनी

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिले के नोहटा थाना के 17 मील डूमर मार्ग के बीच सिद्धों के सामने जंगल में रविवार सुबह 43 गौवंश बैलों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। बैलों के शव जंगल में होने की जानकारी वन विभाग के चौकीदार अट्ठी आदिवासी ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। वन कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहीं आला अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद चौकीदार ने नोहटा थाना पुलिस को जानकारी दी। नोहटा थाना प्रभारी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे तो 43 बैलों के शव के बीच एक बैल जीवित अवस्था में मिला।

मामला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के संज्ञान में आते ही दमोह से पशु एंबुलेंस को रवाना

किया गया और तत्काल नोहटा नायब तहसीलदार को जांच के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद नोहटा थाना प्रभारी के साथ नायब तहसीलदार राजेश साहू मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की गई है।

तस्करों ने किया कारनामा- नोहटा थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया पशु तस्कर ट्रक में भरकर इन बैलों को ले जा रहे होंगे और बैलों की मौत होने पर रात्रि के अंधेरे में सुनसान जगह में फेंककर फरार हो गए होंगे। इसके चलते अज्ञात के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं नायब तहसीलदार राजेश साहू का कहना है मृत गौवंश बैलों के शवों को दफनाने के लिए मौके पर जेसीबी बुलाई गई और गड्ढे करके दफनाया जा रहा है और मृत गौवंश बैलों के मिलने के मामले की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। कलेक्टर कोचर के निर्देश पर सभी गो वंश का सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार किया गया।

परेशानी का सबब बनी सीवर लाइन

जनप्रतिनिधि और अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान, लोग परेशान

मंडला, देशबन्धु। यह सभी को ज्ञात है कि मध्य प्रदेश के सबसे ज्यादा पिछड़े जिला मंडला में विकास कार्यों की दुर्गति करके रखी गई है यहां पर विकास की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन सही नहीं किया जा रहा है हकीकत के धरातल में विकास के योजनाओं का सही क्रियान्वयन मंडला जिले में नहीं किया जा रहा है तमाम तरह की सरकारी योजनाएं हकीकत के धरातल में ही तरीके से क्रियान्वित नहीं हो रही है और सिर्फ मनमानी की जा रही है लगभग सभी विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में और लापरवाही की जा रही है और शासन प्रशासन के सभी जवाबदार मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं

मध्य प्रदेश के मंडला जिले में सही तरीके से विकास कार्य नहीं किए जा रहे हैं व्यवस्थित विकास नहीं होने की वजह से नागरिकों को परेशान होना पड़ रहा है और विकास सही तरीके से नहीं हो पा रहा है जिला मुख्यालय मंडला नगर में सीवर लाइन का काम काफी लंबे समय से चल रहा है पूरे नगर में जहां देखो वहां सीवर लाइन के काम की वजह से सड़कों को तहस-नहस कर दिया गया है।

सड़कों का मरम्मत कर या पुन: निर्माण कार्य सही तरीके से नहीं कराया जा रहा है जिसकी वजह से जो सड़क तोड़ी गई थी वह सभी सड़क दिनों दिन क्षतिग्रस्त होते जा रहे हैं शहर की सड़कों में गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं सड़कों में गिट्टी पड़ी हुई है जिनकी वजह से आम नागरिक परेशान हो रहे हैं बताया जा रहा है सीवर लाइन का काम काफी लंबे समय से मंडला नगर में चल रहा है जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है।

जिस उद्देश्य को लेकर यह काम किया गया था उस उद्देश्य की पूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है मंडला नगर में सीवर लाइन का काम बेहद मनमानी लापरवाही के साथ किया गया है सीवर लाइन के सभी कामों की जांच पड़ताल न पूर्व में की गई और न अब की जा रही है पूरा काम जांच करने लायक है इसके बावजूद भी शासन प्रशासन द्वारा सीवर लाइन के कामों की जांच नहीं कराई जा रही है नगर की सभी सड़कों का पुन: निर्माण करना जरूरी हो गया है क्योंकि सीवर लाइन के काम की वजह से सड़क क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

कलेक्टर कर रहे परिणामकारी प्रयास, भ्रष्ट तंत्र के पेट में हो रहा दर्द

मंडला, देशबन्धु। पहली बार कोई कलेक्टर मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले में बेहतर काम कर रहे हैं। इन्हें किसी भी कीमत पर कम से कम दो तीन साल नहीं हटाना चाहिये ऐसा मंडला जिले के अधिकांश नागरिक चाह रहे हैं।

सरकार से नागरिकों की मांग है कि यदि मंडला जिले में विकास की गंगा बहाना है तो मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा को जनहित में किसी भी परिस्थिति में हटाने की कार्यवाही नहीं की जाए। ज्ञात हो कि जबसे कलेक्टर का कार्यभार संभाले हैं तब से इस जिले में विकास की गतिविधियां तेजी के साथ आगे बढ रही हैं। पूरी ईमानदारी के साथ विकास कार्यों को अमली जामा पहनाने के लिए लगातार प्रषासनिक तंत्र की कसावट कर रहे हैं। यह बात अलग है कि भ्रष्ट सरकारी तंत्र को हो सकता है कलेक्टर की कार्यषैली से पेट में दर्द हो रहा हो लेकिन नागरिक भारी राहत महसूस कर रहे हैं। इन्होने जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम को अत्यंत जन उपयोगी बनाने के लिए बढिया प्रयास किया है। आवेदको से सम्मान जनक तरीके से आवेदन पत्र लिए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि आवेदकों को अपने समक्ष कुर्सी में बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा रहा है।

सूत्रों से पता चला है कि जनसुनवाई कार्यक्रम में जो गोलमाल होता था आवेदन पत्रों का पता ही नहीं चलता था। क्या निराकरण किया जा रहा है इसकी कोई जानकारी आवेदकों को नहीं मिलती थी बल्कि संबंधित जानकारी पोर्टलों में दर्ज की जा रही थी, वह सब धीरे-धीरे समाप्त किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि लगातार जनसुनवाई की समीक्षा की जा रही है और आवेदन पत्रों का पता लगाकर निराकरण किया जा रहा है। लगातार पूरे जिले में आकस्मिक निरीक्षण की शानदार पहल इनके द्वारा शुरू की गई है जो उपयोगी लग रही है।

कलेक्टर की सक्रियता की वजह से शासन-प्रषासन के सभी विभाग सक्रिय भूमिका निभाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। चूंकि इस जिले में चुनौतियां भी अधिक हैं, ढेर सारी समस्याओं का अंबार लगा हुआ है लेकिन कलेक्टर विषेष रणनीति बनाकर षिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, यातायात, रोजगार, उद्योग, पर्यटन, कृषि उद्यानिकी,, वानिकी, बिजली पानी इत्यादि के लिए विषेष प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा निरक्षरता गंदगी बीमारी धांधली व बेरोजगारी को दूर करने के लिए भी कलेक्टर द्वारा परिणामकारी प्रयास भी शुरू कर दिए गए हैं। नागरिक इनके कार्यों से संतुष्ट हैं और कलेक्टर से काफी उम्मीद है कि इस पिछड़े जिले को निष्चित रूप से विकास कार्यों से जोड़ेंगे और जनहित के तमाम मुद्दों को लेकर हकीकत के धरातल में परिणामकारी प्रयास करेंगे। जनापेक्षा है कलेक्टर को जनहित में इस जिले में लंबे समय तक पदस्थ रखा जावे ताकि यह जिला विकसित हो सके।

कलेक्टर के प्रयासों पर फेर रहे पानी - मध्यप्रदेष के मंडला जिले में समस्याओं का ग्राफ दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। सीएम हेल्पलाईन और जनसुनवाई असफल हो चुके हैं। आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं किया जा रहा है। वर्षों से जमे अधिकारियों के तबादले नहीं किये जा रहे हैं। कई अधिकारी तो विगत 15 वर्षों से इस जिले में जमे हुए हैं। अधिकांष प्रभारी बड़े अधिकारियों की कुर्सी पर कुंडली मारकर बैठ गए हैं। कलेक्टर लगातार अधिकारियों व कर्मचारियों को सक्रिय कर रहे हैं और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए विषेष ध्यान दे रहे हैं लेकिन भ्रष्ट सरकारी तंत्र इनकी प्रयासों पर पानी फेरने की तैयारी में लगा हुआ है। जनापेक्षा है सरकार ध्यान दे।